अनुशासन, जीवंत संपर्क गौर साहब की थी खासियत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व सीएम बाबूलाल गौर को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल, 21 अगस्त. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर ने प्रदेश के विकास के लिए सभी दिशाओं में अपने दायित्व का निर्वहन किया. उन्होंने श्रमिक, गरीब व कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाई और संघर्ष किया. साथ ही एक आदर्श विधायक के कर्तव्यों का निर्वहन किया.

उनकी अनुशासित और समयबद्ध जीवनशैली तथा जनसामान्य से जीवंत सम्पर्क और जनता के रोजमर्रा के विषयों के प्रति संवेदनशीलता ने उन्हें अजेय जनप्रतिनिधि बनाया. मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर यह विचार व्यक्त किए. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर के 74 बंगला स्थित निवास पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिजन से संवेदनाएं साझा करते हुए उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित भी किया. उन्होंने कहा कि भोपाल ताल पर बना वीआईपी रोड गौर साहब की देन है. मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सदैव स्मरणीय रहेगा. जनसेवा का मार्ग चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन उनके व्यवहार और सबकी मदद के भाव के कारण लोगों का बाबूजी से आत्मीय संबंध था. उनकी मौलिक जीवन दृष्टि के कारण वे जनप्रतिनिधियों के लिए श्रद्धा और प्रेरणा का स्त्रोत रहेंगे. इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, अन्य जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे.

भेल कॉलेज में पूर्व सीएम गौर को किया याद

भोपाल, 21 अगस्त. बाबूजी एक महान व्यक्तित्व थे तथा आम आदमी की उन तक पहुँच थी. वे समय के पाबंद थे, वे राजनीति के अपराजय योध्दा रहे है, उन्होनें राजनीतिक क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है, विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेना चाहिये. उपरोक्त उद्बोधन गुरुवार को बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित सेमिनार में उनके सहकर्मियों ने पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते अपने संस्मरण में सुनाए. इस मौके पर कॉलेज परिसर में स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए. सेमिनार में मुख्य अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ने कहा कि बाबूजी एक महान व्यक्तित्व के धनी थे. वे जीवनभर आम आदमी से जुड़े रहे. विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेना चाहिये. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा कि बाबूजी विशाल व्यक्तित्व के धनी थे.

स्पर्धा से डेंगू से बचाव का संदेश

गांधी नगर के स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 21 अगस्त. वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत गुरूवार को भोपाल में विद्यालय स्तर पर कार्यक्रम हुए. जहां डेंगू नियंत्रण जागरूकता के साथ ही प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किए गए.

गांधीनगर स्थित विद्यालय में छात्र एवं छात्राओं के साथ जनजागरुकता का आयोजन पोस्टर बैनर के माध्यम से किया गया है, इसके साथ ही ग्रह- ग्रह भ्रमण के माध्यम से लोगों को डेंगू एवं मलेरिया के प्रति जागृत किया गया, ताकि समुदाय के लोग अपने- अपने घरों की स्वयं निगरानी करें, एक हफ्ते से ज्यादा पानी जमा ना होने दें. इस दौरान क्षेत्रीय समन्वयक एंबेड परियोजना डॉ संतोष भार्गव ने सभी छात्र एवं छात्राओं से कहा कि पानी की टंकी एवं फ्रिज की ट्रे को समय-समय पर जांच करते रहें,हर हफ्ते में एक बार पानी अवश्य बदले और घर में किसी को बुखार आने की स्थिति में पर में तुरंत ही सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सालय जाकर खून की जांच कराएं, इसके साथ मलेरिया जोन टीम द्वारा समुदाय स्तर पर लोगो को मलेरिया के बारे में समझाया साथ कैसे बचाव करे के बारे में बताया. इस दौरान समस्त टीम के द्वारा विद्यालय एवम आंगनवाड़ी स्तर पर में बच्चो एवम समुदाय के साथ डेंगू एवम मलेरिया नियंत्रण हेतु गतिविधि की जिसमे टीम ने डेंगू नियंत्रण के उपाय बताए.

भोपाल में हाईकोर्ट बेंच हो या इंदौर से जोड़ दें

▶ सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय कानून मंत्री से की मुलाकात

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 21 अगस्त. सांसद आलोक शर्मा ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मुलाकात की. इस मौके पर भोपाल में हाईकोर्ट बेंच स्थापित करने की मांग सांसद शर्मा ने कानून मंत्री से की.

सांसद शर्मा ने केंद्रीय कानून मंत्री को सौंपे पत्र में भोपाल जिले की जनता को अपने न्यायिक प्रकरणों के लिए जबलपुर हाईकोर्ट जाने में आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों का जिक्र किया है. सांसद शर्मा ने केंद्रीय मंत्री मेघवाल से आग्रह किया कि यदि हाइकोर्ट बेंच भोपाल लाने में कोई अड़चन है तो भोपाल जिले का न्यायिक क्षेत्राधिकार इंदौर से जोड़ दिया जाए, जिससे जनता को समय और अत्यधिक धन खर्च से राहत मिलेगी. केंद्रीय कानून मंत्री से चर्चा के दौरान सांसद आलोक शर्मा ने बताया कि भोपाल में हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करने को लेकर लंबे समय से प्रयास किये जा रहे हैं. लेकिन जनता को सस्ता और सुलभ न्याय मिलने के संकल्प को पूरा करने के लिए कोई ठोस प्रयास अब तक नहीं हो सके. जबकि देश में अधिकांश प्रदेशों की राजधानियों में हाइकोर्ट की मुख्य पीठ या बेंच स्थापित है. भोपाल में हाईकोर्ट बेंच लाने के लिए वकील और बार एसोशिएशन भी लंबे समय से प्रयासरत हैं.

इंदौर की दूरी जबलपुर से कम

सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को सुझाव दिया है कि यदि भोपाल में हाइकोर्ट की बेंच स्थापित करने में कोई अड़चन है तो भोपाल जिले का न्यायिक क्षेत्राधिकार (ज्यूरिडिक्शन) इंदौर से जोड़ दिया जाए. इंदौर की दूरी जबलपुर से कम है. जनता व सरकार के अधिकारी न्यायिक मामलों की सुनवाई के लिए सुबह जाकर शाम तक घर वापिस आ सकते हैं. ऐसे में जनता का समय और पैसे की बर्बादी तो रुकेगी ही साथ ही सरकारी खजाने पर पड़ने वाला अत्यधिक भार भी कम हो जाएगा. सरकारी कर्मचारियों को अपनी पदोन्नति व अन्य प्रकरणों की सुनवाई के लिए जबलपुर जाना-आना करना मुश्किलें पैदा करता है.

आज 40 इलाकों में बिजली कटौती

भोपाल, 21 अगस्त. शहर के करीब 40 इलाकों में शुक्रवार को बिजली कंपनी मेंटनेंस करेगी, इस कारण इन इलाकों में बिजली सप्लाई बंद रहेगी. शुक्रवार को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक ईशान ग्रांड कॉलोनी. सुबह 10 से दोपहर 12.30 बजे तक घरोंदा, बीडीए कॉलोनी, मिसरोद फेस-1 एवं सलैया. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक राजीव नगर बी-सी सेक्टर, सुमित्रा परिसर, बांसखेड़ी, 40 झुग्गी क्षेत्र, प्रधानमंत्री आवास आवासीय कॉलोनी, सुहागपुर, नरेला हनुमंत, फैथकलां, गुरारीघाट, पिपलिया केशो, सेज ग्रीन सिटी, ऑस्ट्रिया कॉलोनी सहित अन्य इलाकों में बिजली बंद रहेगी.

विद्यार्थी सीख रहे व्यावसायिक कौशल

▶ छह दिवसीय उद्यमिता एडवेंचर कैंप का आयोजन

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 21 अगस्त. पं. सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई) भोपाल उद्यमिता एडवेंचर कैंप चलाया जा रहा है. एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में लोग शामिल हो रहे हैं.

18 अगस्त से शुरू हुए इस छह दिवसीय कैंप में अलग-अलग स्थानों से लोग पहुंचे हैं. शिविर में गुजरात के सात जिलों से आए 60 व्यावसायिक विद्यार्थी एवं 7 शिक्षक भाग ले रहे हैं.

गुरूवार को आयोजित विशेष सत्र में ऑनलाइन माध्यम से एनसीईआरटी निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी ने विद्यार्थियों से संवाद किया. उन्होंने इस मौके पर कहा कि विद्यार्थियों को केवल कॅरियर तक सीमित न रहकर देश के विकास की दिशा में भी कार्य करना चाहिए. यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत' की संकल्पना को साकार करने का मार्ग है. उन्होंने जोर देकर कहा कि कौशल आधारित शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार पाना नहीं, बल्कि भविष्य के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाना भी है.

इस अवसर पर ईडीआईआई के महानिदेशक प्रो. सुनील शुक्ला ने विद्यार्थियों को उद्यमिता की चुनौतियों और अवसरों से परिचित कराया. उन्होंने कहा कि उद्यमिता केवल व्यवसाय नहीं है, बल्कि यह नवाचार, नेतृत्व और सामाजिक परिवर्तन की शक्ति है. वहीं, पीएसएससीआईवीई के संयुक्त निदेशक डॉ. दीपक पालीवाल ने कहा कि संस्थान लगातार कौशल विकास की दिशा में काम कर रहा है और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, जो देश में व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम गढ़ेंगे. शिविर की गतिविधियों में आज ईडीआईआई के सह-प्राध्यापक डॉ. पंकज भारती द्वारा एक 'बिज़नेस गेम' आयोजित किया गया.

एक नजर में

एमएलबी कॉलेज में पुस्तक परिचर्चा आयोजित

भोपाल. शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या पीजी महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं प्रज्ञा प्रवाह द्वारा संघर्ष महामानव का पुस्तक पर आधारित परिचर्चा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पुस्तक समीक्षक के रूप में उपस्थित डॉ. मथुरा प्रसाद, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने जिस कठिन परिस्थिति और वातावरण में समाज सुधार के लिए कार्य किया, वह अद्वितीय और महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है. पुस्तकें हमेशा जीवन को दिशा देती हैं. डॉ. प्रसाद ने बताया कि यह पुस्तक मूल रूप से मराठी में लिखी गई थी, जिसे हिंदी में अनुवादित किया गया है. इसमें बाबा साहब के जीवन के अनेक पहलुओं को दर्शाया गया है. पुस्तक में उल्लेख है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में जन्म लेकर बाबासाहेब ने समाज सुधार और विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए. डॉ. भीमराव अंबेडकर बचपन से ही मेधावी छात्र थे. अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों और सामाजिक भेदभाव के बावजूद उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की. कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अध्ययन कर उन्होंने कानून, अर्थशास्त्र और राजनीति में गहन ज्ञान अर्जित किया.

बीयू में अत्याधुनिक मशीन से मुद्रण कार्य शुरू

भोपाल. बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को नैक द्वारा ए ग्रेड की उपलब्धि प्राप्त होने के पश्चात एक और नया अध्याय जुड़ गया है. जिसमें वर्तमान कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार जैन के नेतृत्व और प्रेरणा से विश्वविद्यालय के मुद्रणालय में लगभग 50 वर्षों के पश्चात अत्याधुनिक ऑफसेट मशीन की स्थापना की गई है. इसका उद्घाटन कुलगुरु द्वारा किया गया. इस अवसर पर सुनील नायक सहायक कुलसचिव एवं मुद्रणालय प्रभारी प्रोफेसर पवन मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे. प्रभारी प्रो. पवन मिश्रा के अनुसार मुद्रणालय में अभी तक 50 वर्ष पुरानी मशीनों से ही विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यों को संपन्न किया जा रहा था, जिसमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था. लेकिन अब कुलगुरु जी के प्रयास से अब मुद्रणालय में और भी कई कार्य संपन्न किये जा सकेंगे. जिससे विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा. मशीन की स्थापना एवं उद्घाटन के अवसर पर मो. शफीक खान, नावेद अख्तर, रहीम खान, नाना, एवं कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

एआई इंसानों की जगह नहीं ले सकता: व्यास

भोपाल (जूनियर रिपोर्टर). माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में अभ्युदय 2025 आगाज के दूसरे दिन गुरुवार को वरिष्ठ पत्रकार यशवंत व्यास कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे. उन्होंने एआई के दौर में प्रिंट मीडिया की भूमिका पर अपने विचार साझा करते हुए सबसे पहले विश्वविद्यालय की सराहना की और कहा कि आने वाले समय में मीडिया का रूप बदलेगा, लेकिन जो लोग पत्रकारिता को ईमानदारी के साथ करेंगे, वही आगे भी इस क्षेत्र में टिक पाएंगे. चाहे एआई कितना भी विकसित क्यों न हो इंसानों की जगह कभी नहीं ले सकता है. उन्होंने माना कि एआई से डेस्क पर काम करने वाले लोगों की संख्या कम हो सकती है, लेकिन रिपोर्टर की अहमियत हमेशा बनी रहेगी. डेस्क पर काम करने वाले प्रोफ़ेशनल होंगे. उनके अनुसार प्रिंट मीडिया सिर्फ सूचना का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज की सोच और दिशा तय करने में भी उसकी बड़ी भूमिका है. कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों और शिक्षकों ने व्यास के विचारों को गहराई से सुना और उनसे प्रेरणा ली.

वीरांगना ने दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

भारत भवन में मप्र रंगोत्सव समारोह के तहत नाटक मर्दानी लक्ष्मीबाई का मंचन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 21 अगस्त. मध्यप्रदेश की धरती हमेशा से कला, संस्कृति और लोक परंपराओं की धरोहर रही है. इन्हीं परंपराओं को जीवंत करने के लिए भारत भवन में चल रहे मध्यप्रदेश रंगोत्सव नाट्य समारोह में गुरुवार की शाम एक यादगार प्रस्तुति हुई.

इस अवसर पर मर्दानी लक्ष्मीबाई नाटक का मंचन किया गया, जिसने सभागार में बैठे दर्शकों को गर्व और भावनाओं से भर दिया. रंगमंडल प्रभाग की ओर से आयोजित इस समारोह में इस बार लोक कलाओं, संस्कृति और बोलियों को केंद्र में रखा गया है. हर दिन अलग-अलग समूह अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को प्रदेश की विविध सांस्कृतिक छटा से रूबरू करा रहे हैं. नाटक की प्रस्तुति ग्वालियर की वीमेंस नाट्य संस्था के कलाकारों ने दी. नाटक का निर्देशन गीतांजलि गीत द्वारा किया गया.

मंचित नाटक केवल एक ऐतिहासिक कथा का मंचन नहीं था, बल्कि यह भारतीय नारी की शक्ति, साहस और पराक्रम का प्रतीक था. रानी लक्ष्मीबाई का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा रहा है और इसी प्रेरणा को कलाकारों ने बड़ी ही सूझबूझ और संवेदनशीलता के साथ मंच पर उतारा. नाटक में दिखाया गया कि किस तरह झांसी की रानी ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष किया.

इसलिए खास बनी प्रस्तुति

नाटक के संवाद, गीत और मंच सज्जा सभी मिलकर ऐसा वातावरण बना रहे थे, जिसमें दर्शक खुद को उस समय में मौजूद महसूस कर रहे थे. कई क्षण ऐसे भी आए जब दर्शकों की आंखें गर्व और देशभक्ति की भावना से नम हो गईं.

समारोह में आज

सात दिवसीय नाट्य समारोह में शुक्रवार को नाटक संत तुकाराम का मंचन होगा. संजय मेहता द्वारा निर्देशित नाटक शाम 7 बजे शुरू होगा

थर्माकोल से बनीं गणेशजी की मूर्तियां ऐसी कि देखते रह जाओ

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 21 अगस्त. राजधानी में गणेशोत्सव की तैयारी जोरशोर से चल रही है. मूर्तिकार बप्पा की मूर्तियों को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं, तो वहीं गणेशोत्सव समिति भी उत्सव मनाने की तैयारी में जुटी हुई हैं. लोगों में बप्पा को घर लाने का उत्साह नजर आ रहा है.

इसी बीच शहर के मूर्तिकार हरिओम यादव 24 सालों से थर्माकोल से मूर्तियां बना रहे हैं. ये मूर्तियां इतनी आकर्षक और वास्तविक नजर आती हैं कि देखने वाले की आँखे एक पल को थम जाए. दरअसल ये मूर्तियां किसी मिट्टी या पीओपी का इस्तेमाल करके नहीं बल्कि थर्माकोल से तैयार की जाती हैं. पुराना भोपाल स्थित मंगलवारा जैन मंदिर के पास ओम आर्ट्स में इन मूर्तियों का कलेक्शन शानदार है. मूर्तिकार लोकेश बताते हैं कि थर्माकोल से बनी मूर्तियों का वजन बहुत ही काम होता है और इन्हें आसानी से उठाया जा सकता है. यह देखने में अन्य से अधिक आकर्षक लगती हैं. इस बार हमने 5 फीट ऊँची गणेश परिवार की सुन्दर मूर्ति तैयार की है. जिसकी सजावट और श्रृंगार से लेकर मूर्ति बनाने में 10 दिन का समय लगा.

मूर्तिकार हरिओम बताते हैं जैसे मिट्टी की मूर्ति का ढांचा पियरा और लकड़ी की सहायता से तैयार करते हैं, जबकि थर्माकोल की मूर्तियों में मूर्ति का आधार यानि ढांचा थर्माकोल से तैयार करते हैं. जिसमें लकड़ी का सपोर्ट दिया जाता है. इसके सूखने के बाद इसमें दीवार में लगने वाली पुट्टी का इस्तेमाल करके इसकी सतह को तैयार करते हैं.

गणेश पूजन के बिना नहीं होते मांगलिक कार्य

पंडित त्रिपाठी ने बताते हैं कि किसी भी देवी-देवता की आराधना के आरंभ में किसी भी सत्कर्म व अनुष्ठान में सबसे पहले भगवान गणेशजी का स्मरण किया जाता है. उनका विधिवत पूजन किया जाता है. इनकी पूजा के बिना कोई भी मांगलिक कार्य को शुरू नहीं किया जाता है. यहाँ तक की किसी भी कार्यारम्भ के लिए 'श्री गणेश' एक मुहावरा बन गया है. शास्त्रों में इनकी पूजा सबसे पहले करने का स्पष्ट उल्लेख है.

रोजगार मेला आज

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 21 अगस्त. राजधानी में रोजगार मेले का आयोजन शुक्रवार को किया जा रहा है. जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम (रोजगार मेला) का 22 अगस्त को होगा. जिसका समय प्रात: 11 बजे से निर्धारित किया गया है. भोपाल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नालॉजी एंड साइंस कॉलेज बंगरसिया भोजपुर रोड में इसका आयोजन किया जा रहा है. रोजगार मेले में 20 मल्टीनेशनल कंपनियां शामिल होंगी. उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वे अपने समस्त मूल प्रमाण - पत्रों एवं अपना बायोडाटा सहित साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहें. रोजगार मेला का सुनहरा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त किया जा सकता है.

राम की शक्तिपूजा में झलका रामजानकी का वियोग

▶ रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में नाट्य प्रस्तुति

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 21 अगस्त, सीता हरण के बाद रावण के द्वारा भेदे गए हर बाण के बाद संध्या काल में जब भगवान राम का मन अधीर हो उठता है, तब अकेले हनुमान ही निराशा से अछूते रहे.

संध्या वंदना के बाद सुग्रीव, विभीषण, नल, नील, जामवंत और लक्ष्मण आदि मिलकर युद्ध की समीक्षा और आगामी रणनीति पर विचार करने बैठे हैं, राम मौन हैं किंतु भीतर ही भीतर उनका ह्रदय पीड़ा से भरा हुआ है. अचानक उन्हें स्मरण होता है कि पहली बार उन्होंने सीता को कैसे देखा था, और इसी पल रवींद्र भवन के अंजनी सभागार में एक तरफ दर्शकों के मन दृश्य को देख रोमांचित हो थे. तो दूसरे ही पल में राम की पीड़ा को महसूस कर रहे थे. गुरुवार को प्रस्तुत सूर्यकांत निराला जी की ये अद्भुत कविता राम की शक्ति पूजा ने सभागार में सभी को रामायण के उस दौर से जोड़ दिया. जिसका भाव राम की मर्मज्ञता, करुणा, प्रेम और धैर्य को संजोए हुए था. नाट्य प्रस्तुति के निर्देशन और संगीत में इश्तियाक खान ने जो सुर और पार्श्व संगीत के साथ वक्तव्यों को हिंदी साहित्य के खरेपन से जोड़ने का प्रयास प्रशंसनीय है. रंगप्रयोगशाला की यह प्रस्तुति शक्ति, संगीत, अभिनय और कला का संगम लिए दर्शकों की उपस्थिति को अंत तक बनाए रखा.

विश्व स्तरीय इलाज होगा ▶ छह एकड़ में बने नवनिर्मित भवन का शुभारंभ 21 सितंबर को होगा

मध्य भारत का सबसे बड़ा नेत्र चिकित्सालय होगा सेवा सदन

भोपाल, 21 अगस्त. संत हिरदाराम साहिब द्वारा वर्ष 1987 में शुरू कराया गया सेवा सदन अस्पताल का नया भवन राजधानी भोपाल के एयरपोर्ट रोड गांधीनगर के पास बनकर तैयार हो गया है. अब यह भोपाल शहर और मध्यभारत अंचल का बड़ा नेत्र चिकित्सालय होगा.

इस नए भवन का शुभारंभ 21 सितंबर को होगा. लगभग 6 एकड़ भूखंड पर 1.30 लाख वर्गफुट क्षेत्रफल में बने तीन मंजिला भवन में आंखों से जुड़ी सभी गंभीर बीमारियों का इलाज मिल सकेगा. सेवा सदन अस्पताल में नेत्र रोगियों को विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी. इसके साथ ही यहां विभिन्न नेत्र संबंधी बीमारियों पर रिसर्च भी होगी. यह एनएबीएच से एक्रिडिटेड नेत्र चिकित्सालय है. जीव सेवा संस्थान के सहयोग से देश-विदेश के दानदाताओं के सहयोग से इस अस्पताल भवन का निर्माण करवाया गया है.

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में अभी रोजाना 450 की ओपीडी होती है. नए भवन में प्रतिदिन 1000 से 1500 नेत्र रोगियों के उपचार की व्यवस्था होगी. अस्पताल में 11 मॉड्यूलर ओटी होंगे, जहां हर साल 50 हजार से ज्यादा ऑपरेशन किए जा सकेंगे. सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के अध्यक्ष सिद्ध भाऊजी ने बताया कि 175 बिस्तरों वाले अस्पताल को संत हिरदाराम साहिब जी के अवतरण दिवस 21 सितंबर 2025 को शुरू करने की कार्ययोजना को मूर्तरूप देने की कोशिशें की जा रही हैं.

नवनिर्मित भवन में होंगी ये सुविधाएं

अस्पताल के प्रथम तल पर बच्चों के इलाज की सुविधा मिलेगी. यहां एक नेत्र बैंक भी बनाया गया है, जिसमें नेत्र दान करने वालों के कॉर्निया संरक्षित कर रखे जा सकेंगे. अस्पताल में नकली आंख लगवाने वाले मरीजों के लिए नेत्र प्लास्टी (ऑक्युलोप्लास्टी) की सुविधा भी रहेगी. इनके अलावा सेवा सदन के नवीन भवन में 24 घंटे आपातकालीन सुविधा मिलेगी.

मप्र भवन में सुरमयी सांस्कृतिक संध्या की प्रस्तुति आज

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 21 अगस्त. मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को राष्ट्रीय पटल पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से सुरमयी सांस्कृतिक संध्या की तृतीय प्रस्तुति शुक्रवार 22 अगस्त को मप्र भवन, नई दिल्ली में होगी. इस अवसर पर सुप्रसिद्ध नृत्यांगना लता सिंह मुंशी एवं उनके समूह द्वारा भरतनाट्यम प्रस्तुत किया जायेगा. कार्यक्रम में मप्र के मधुर लोक-संगीत और भावपूर्ण स्वरों की झलक होगी, जो दर्शकों को राज्य की सांस्कृतिक विविधता और कलात्मक समृद्धि से परिचित कराएगी.